स्वशासी राजीवगांधी शासकीय महाविद्यालय

जून – 2020

अम्बिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग.)

हिन्दी एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु प्रस्तुत शोध पत्र
लघु शोध प्रबंध 2019–20

''कबीर की विचार धारा – एक अध्ययन''

विभागाध्यक्ष
डॉ. रद्दीदा परवेज
हिन्दी विभाग राजीव गांधी
शासकीय स्नानकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर
(छ.ग.)

शोध निर्देशक
डॉ. रद्दीदा परवेज
हिन्दी विभाग राजीव गांधी
शासकीय स्नानकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर
(छ.ग.)

शोधकर्ता
बिरेन्द्र साहु
एम.ए. चतुर्थ सेम हिन्दी
विभाग राजीव गांधी
शासकीय स्नानकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर
(छ.ग.)

हिन्दी विभाग राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

कबीर की विचार धारा – एक अध्ययन

अनुक्रमणिका

अध्याय–एक

कबीर दास जी का सामान्य परिचय–

अ) कबीर का जीवन वृत

ब) कबीर का व्यक्तित्व

स) कबीर का कृतित्व

अध्याय–दो

कबीर की विचार धारा को प्रभावित करने वाले उपादान–

अ) कबीर कालीन राजनीतिक परिस्थितियॉ

ब) सामाजिक परिस्थितियॉ

स) धार्मिक परिस्थितियॉ

द) विविध धर्म और दर्शन

अध्याय –तीन

कबीर विचार धारा का अध्ययन

अ) अधययन का आधार

ब) कबीर के आध्यात्मिक विचार

स) कबीर का आत्म विचार

द) कबीर का धार्मिक एवं सामाजिक विरार

अध्याय–चार

कबीर के आध्यात्मिक सिध्दांत

अ) कबीर का माया वर्णन

ब) कबीर का जगत वर्णन

स) कबीर की योग साधना

द) कबीर की भक्ति साधना

अध्याय– पांच

उपसंहार

'गोदान' भारतीय कृषक जीवन का महाकाव्य

सत्र : 2019 - 20

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.) की कक्षा
एम.ए. चतुर्थ समेस्टर (हिन्दी) की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र
हिन्दी के रूप में प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

शोध निदेशक
(डॉ रशीदा परवेज)
हिंदी विभाग

प्रस्तुतकर्ता
गंगोत्री
रोल नं.-20040602
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
हिंदी विभाग

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

प्रमाण- पत्र

प्रमाणित किया जाता है, कि **"गोदान' भारतीय कृषक जीवन का महाकाव्य"** विषय पर लिखित लघु- शोध प्रबंध गंगोत्री एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) द्वारा सत्र् 2019–20 के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के अनिवार्य विषय के रूप में प्रस्तुत किया है।

यह छात्रा का नितांत मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य मेरे निर्देशन में सम्पन्न हुआ है।

निर्देशक

डॉ रशीदा परवेज

विभागाध्यक्ष,हिंदी विभाग

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अंबिकापुर जिला

सरगुजा (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

भूमिका:- 1 - 2

अध्याय -1 प्रेमचंद का सामान्य परिचय 3 - 13

(अ) प्रेमचंद का जीवन परिचय
(ब) प्रेमचंद का व्यक्तित्व-कृतित्व
(स) प्रेमचंद लेखन का उद्देश्य
(द) प्रेमचंद के उपन्यासों की सार्थकता

अध्याय -2 उपन्यास का आशय-स्वरूप 14 - 27

(अ) उपन्यास का अर्थ, परिभाषा
(ब) उपन्यास का उद्भव विकास
(स) उपन्यास के प्रकार
(द) उपन्यास के तत्व

अध्याय -3 गोदान और भारतीय कृषक जीवन का अध्ययन 28 - 42

(अ) गोदान की कथावस्तु
(ब) देश काल और वातावरण
(स) राजनैतिक स्थिति
(द) सामाजिक स्थिति

अध्याय -4 युग जीवन-समस्याओं का चित्रण 43 - 53

(अ) दरिद्रता और भुखमरी का यथार्थ चित्रण
(ब) आदर्श और यथार्थ
(स) तत्कालीन जीवन का दर्पण
(द) शोषक और शोषित वर्ग का चित्रण

अध्याय -5 उपसंहार 54 - 55

छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य : एक विश्लेषण

सत्र : 2019 - 20

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.) की कक्षा
एम.ए. चतुर्थ समेस्टर (हिन्दी) की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र
हिन्दी के रूप में प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

शोध निर्देशक
(डॉ रशीदा परवेज)
हिंदी विभाग

प्रस्तुतकर्ता
गीता सिंह
रोल नं.- 20040603
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
हिंदी विभाग

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण- पत्र

प्रमाणित किया जाता है, कि **"छत्तीसगढ़ लोक साहित्य: एक विश्लेषण"** विषय पर लिखित लघु शोध प्रबंध गीता से एम. ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.) द्वारा सत्र् 2019-20 के चतुर्थ **प्रश्न** पत्र के अनिवार्य विषय के रूप में प्रस्तुत किया है।

यह छात्रा नितांत मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य मेरे निर्देशन में संपन्न हुआ है।

निर्देशक
डॉ रशीदा परवेज
विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला
सरगुजा (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

भूमिका :-	1 - 2
प्रथम अध्याय - छत्तीसगढ़ी भाषा परिचय	3 - 12
(अ) छत्तीसगढ़ी भाषा, परिभाषा, अर्थ	
(ब) छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वर व्यंजन	
(स) छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास	
द्वितीय अध्याय - छत्तीसगढी लोक साहित्य का परिचय	13 - 68
(अ) लोक साहित्य की व्युत्पति	
(ब) लोक साहित्य की परिभाषा, अर्थ	
(स) लोक साहित्य का स्वरुप,विशेषताएं	
तृतीय अध्याय - छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य की पष्ठभूमि	69 -72
(अ) लोक साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि	
(ब) लोक साहित्य की धार्मिक व नैतिक पृष्ठभूमि	
(स) लोक साहित्य की सास्कृतिक पृष्ठभूमि	
चतुर्थ अध्याय - छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का कलापक्ष	73 - 92
(अ) छत्तीसगढ़ी मुहावरे, कहावते पहेलियाँ	
(ब) भाव व्यंजना, रस परिपाक	
(स) भाषा अलकार योजना छद विधान	
पंचम अध्याय – उपसंहार	93 - 94

अज्ञेय के काव्य का समाज शास्त्रीय अध्ययन

2020

राजीव गाँधी शा.स्ना.महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ.ग) की कक्षा एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर(हिन्दी) की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र (अनिवार्य) हिन्दी की आंशिक परिपूर्ति के रूप में प्रस्तत

लघुशोध प्रबंध

Rparvez	Sandhya
शोध निर्देशक	**प्रस्तुतकर्ता**
डॉ. रसीदा परवेज	संध्या
विभागाध्यक्ष	एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
हिन्दी विभाग	हिन्दी विभाग

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला– सरगुजा(छ.ग)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि संध्या कुशवाहा एम.ए चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गाँधी स्नाकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा (छ0ग0) की नियमित छात्रा हूँ। इस छात्रा ने "अज्ञेय के काव्य का सामाज शास्त्रीय अध्ययन"

शीषर्क पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध का लेखन कार्य सम्पन्न किया है। यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परिक्षा 2020 हेतु चतुर्थ पत्र(अनिवार्य) के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मै छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए इसे मुल्यांकन हेतु सस्तुति करती हूँ।

स्थानः— अम्बिकापुर

दिनाँकः—3/10/2020

Rparvez

निर्देशक

डॉ. रसीदा परवेज मेम

विभागाध्यक्ष

राजीव गॉधी शासकीय स्नातकोतर

महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

अज्ञेय के काव्य का समाज शास्त्रीय अध्ययन

भूमिका

अध्याय (1) अज्ञेय का संक्षिप्त जीवन -साहित्य का परिचय

(अ) अज्ञेय का जीवन परिचय

(ब) अज्ञेय की शिक्षा- दीक्षा

(स) अज्ञेय का कृतित्व

(द) अज्ञेय का व्यक्तित्व

अध्याय (2) समाज शास्त्रीय आलोचना का आशय स्वरूप

(अ) आलोचना का अर्थ स्वरूप

(ब) आलोचना के प्रकार

(स) समाज शास्त्रीय आलोचना का आशय

(द) समाज शास्त्रीय आलोचना का स्वरूप

अध्याय (3) अज्ञेय की काव्य चेतना के विविध आयाम

(अ) सौदर्य एंव प्रेम का चित्रण

(ब) प्रकिृति के विविध रूप

(स) प्राचीन सांस्कृतिक मूल्य एंव आदर्श

(द) आत्मानु भुति

अध्याय (4)_अज्ञेय के काव्य का समाज शास्त्रीय विश्लेषण

(अ) करूणा का चित्रण

(ब) प्रेम की अभिव्यक्ति

(स) वैयक्ति प्रतिक चित्रण

(द) सैदर्य चेतना

अध्याय (5) उपसंहार

छत्तीसगढ के जन जीवन में लोक गीत

सत्र 2020–2021

राजीव गांधी शा. स्ना. महाविद्यालय. अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) की एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र हिन्दी में अनिवार्य प्रश्न पत्र के रूप में प्रस्तुत।

लघु शोध प्रबंध

शोध निर्देशक
डॉ. रशीदा परवेज
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग

प्रस्तुतकर्ता
सविता
अनुक्रमांक–20040607
एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर
हिन्दी विभाग

स्नातकोत्तर अध्यन एवं शोध केन्द्र
हिन्दी विभाग. राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर. जिला सरगुजा (छ.ग.) 497001

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सविता एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) की नियमित छात्रा है। इन्होनें ''छत्तीसगढ़ के जन जीवन में लोकगीत'' विषय पर मेरे निर्देशन में अपना लद्यु शोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2020 के चतुर्थ प्रश्न पत्र (अनिवार्य) हेतु प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनु संघनात्मक कार्य है। मै। छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

स्थान :- अम्बिकापुर

दिनांक :- 30-09-2020

निर्देशक

Parvez

डॉ. रशीदा परवेज

विभागाध्यक्ष

(हिन्दी विभाग)

राजीव गांधी शासकीय

स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर,

जिला सरगुजा छ0ग0

छत्तीसगढ़ के जनजीवन में लोकगीत

अनुक्रमणिका

भूमिका

अध्याय (1) छत्तीसगढ़ एक परिचय

(अ) छत्तीसगढ़ का नामकरण

(ब) छत्तीसगढ़ का इतिहास

(स) छत्तीसगढ़ का साहित्य

(द) छत्तीसगढ़ की भाषा

अध्याय –2 **छत्तीसगढ़ के लोकगीत**

(अ) लोकगीत परिभाषा, अर्थ

(ब) लोक की व्युत्पति

(स) लोकगीत का स्वरूप

(द) लोकगीत का वर्गीकरण

अध्याय – 3 **छत्तीसगढ़ की संस्कृति**

(अ) छत्तीसगढ़ की जनजाति

(ब) छत्तीसगढ़ के रहन– सहन

(स) छत्तीसगढ़ के पर्व/त्यौहार

(द) छत्तीसगढ़ के जन जीवन की आस्था, मान्यता

अध्याय –4 **छत्तीसगढ़ के जनजीवन में लोकगीत**

(अ) धार्मिक आख्यान और लोकगीत

(ब) सामाजिक जीवन और लोकगीत

(स) ऐतिहासिक एवं संस्कार गीत

(द) छत्तीसगढ़ के जन जीवन में विविध लोकगीत

अध्याय – 5 उपसंहार

जायसी के काव्य का अनुशीलन

सत्र 2020-21

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जिला - सरगुजा (छ.ग.) की एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र हिन्दी में अनिवार्य प्रश्न पत्र के रुप में प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

विभागाध्यक्ष
डॉ.रशीदा परवेज

शोध निर्देशक
डॉ.रशीदा परवेज

प्रस्तुतकर्ता
कु.सावित्री
रोल नं.....
एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमे.

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय–अम्बिकापुर
जिला – सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि जायसी के काव्य का अनुशीलन शीर्षक पर लिखित लघु शोध प्रबंध सावित्री एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.) के अनिवार्य प्रश्न पत्र के रूप में प्रस्तुत किया है।

यह छात्रा का नितांत मौलिक अनुसंघात्मक कार्य मेरे निर्देशन में सम्पन्न हुआ है।

स्थान :- अम्बिकापुर
दिनांक :-

निर्देशक
डॉ.रशीदा परवेज
विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय-अम्बिकापुर

जायसी के काव्य का अनुशीलन :–

भूमिका :–

अध्याय 01 :- जायसी का सामान्य परिचय

(अ) जायसी का प्रमाणीक जीवन

(ब) जायसी का कृतित्व

(स) जायसी की शिक्षा - दीक्षा

(द) जायसी का व्यक्तित्व

अध्याय 02 :- सूफी काव्य परम्परा का विकास

(अ) सूफी काव्य का अर्थ स्वरूप

(ब) सूफी काव्य की विशेषता

(स) सूफी काव्य का उद्देश्य

(द) सूफी प्रेम - आख्यान काव्य परम्परा

अध्याय 03 :- जायसी काव्य का अनुशीलन

(अ) जायसी काव्य में प्रेम का चित्रण

(ब) जायसी काव्य में लौकिक अभिव्यंजना

(स) जायसी काव्य में अलौकिक अभिव्यंजना

(द) जायसी काव्य में प्रकृति चित्रण

अध्याय 04 :- जायसी का विरह - वर्णन

(अ) जायसी का संयोग वर्णन

(ब) जायसी का वियोग वर्णन

(स) जायसी का बारहमासा वर्णन

(द) विरह की व्यापक भावना का वर्णन

अध्याय 05 :- उपंसहार